PRESS RELEASE
12th June 2018

National Seminar on
"DISASTER PREPAREDNESS AND MANAGEMENT"

Disaster preparedness refers to measures taken to prepare for and reduce the effects of disasters .That is, to predict and, where possible, prevent disasters, mitigate their impact on vulnerable populations, and respond to and effectively cope with their consequences.

One day 'National Seminar on **Disaster Preparedness and Management** organized by **Department of Trauma Surgery, KGMU &Association of Research Professionals (ARP)** on Tuesday June 12th. "The climate change will also increases the magnitude and frequency of hydro-metrological hazards" said by **Prof Sandeep Tiwari**; Prof & Head Department of Trauma Surgery (President Organizing Committee). As per his previous exposure to dealing with the different types of disasters like Nepal earthquakes disaster, Kedarnath, Uttarakhand Disaster, Major fire in Trauma Centre, KGMU in 2017 etc. He emphasizes the importance of disaster preparedness and Management He also quotes **"The existence of Disaster – preparedness plan is blessing so Disaster plans are also useful pre-disaster operations, when warnings have been issued.''**

In the first phase, seminar was inaugurated by our Chief Guest Hon'bleVice Chancellor KGMU **Prof M L B Bhatt**. And **Dr. Manorama Singh**, Regional Director of IGNOU was present as Special Guest, in addition **Dr. Samir Misra** ,**Dr.Uday Mohan**,**Dr.Yaduvendra Deer** & **Dr Adarsh Tripathi** was also present as Speaker and they delivered lecture on the different areas, issues & current aspects related to Disaster preparedness &Management,. Around120 participants had registered for the program.

The purpose of this seminar is to form structural mitigation measures relate to those activities and decision making systems which provide the context within which disaster management and planning operates and is organized .They includes measures such as preparation of preparedness plans ,training and education ,evacuation planning ,institution planning ,warning systems ,and land use planning.

The full focus of the workshop was on different challenges in the field of DISASTER PREPAREDNESS AND MANAGEMNET along with current updates. More than 120 participants from different field participated in the program. Lastly, this program has become an excellent opportunity to learn about various aspects of DISASTER PREPAREDNESS AND MANAGEMNET services.

SAFETY IS A RACE WE ALL CAN WIN

Prof. Sandeep Tiwari
Professor & Head (President Organizing Committee Member)
Trauma Surgery Department, KGMU, U.P.

प्रेस विज्ञप्ति
12 जून 2018

"आपदा की तैयारी और प्रबंधन"
पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

आपदा की तैयारी करने से आपदाओं के प्रभावों को कम करने के लिए किए गए उपायों को संदर्भित किया जाता है। भविष्यवाणी होने पर, जहां संभव हो, आपदाओं को रोकें, आबादी पर उनके प्रभाव को कम करें, और उनके परिणामों का प्रभावी ढंग से सामना करें।

मंगलवार, 12 जून को , ट्रामा सर्जरी विभाग, केजीएमयू एंड रिसर्च प्रोफेशनल एसोसिएशन (एआरपी) द्वारा आपदा की तैयारी और प्रबंधन पर एक दिन की 'राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। ट्रामा सर्जरी के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (अध्यक्ष, आयोजन समिति सदस्य), प्रोफेसर संदीप तिवारी ने कहा, "जलवायु परिवर्तन हाइड्रो-मेट्रोलॉजिकल खतरों के परिमाण और आवृत्ति को भी बढ़ाएगा" उन्होंने अपने पिछले अनुभव,(नेपाल भूकंप आपदा, केदारनाथ, उत्तराखंड आपदा, केजीएमयू ट्रामा सेंटर में आग (2017), के आधार पर उन जैसी अनुसार जैसी विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने हेतु आपदा की तैयारी करने और प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने कहा " आपदा का अस्तित्व -पूर्वनिर्धारित योजना अत्यंत आवश्यक है इसलिए चेतावनियां जारी किए जाने पर आपदा योजनाएं भी पूर्व आपदा संचालन अत्यंत उपयोगी होती हैं। "

पहले चरण में, सेमिनार का उद्घाटन हमारे मुख्य अतिथि माननीय कुलपति केजीएमयू प्रोफेसर एम एल बी भट्ट , केजीएमयू ने किया था। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थी, इसके अलावा प्रवक्ता डॉ समीर मिश्रा, डॉ उदय मोहन, डॉ यदुवेन्द्र धीर और डॉ आदर्श त्रिपाठी भी मौजूद थे और उन्होंने आपदा की तैयारियों और प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों, मुद्दों और वर्तमान पहलुओं पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य उन गतिविधियों और निर्णय लेने वाली प्रणालियों से संबंधित संरचनात्मक शमन उपायों का निर्माण करना है ,जो संदर्भ प्रदान करते हैं जिसमें आपदा प्रबंधन योजनाए संचालित होती है और व्यवस्थित होती है। इसमें योजना की तैयारी, प्रशिक्षण और शिक्षा, निकासी योजना , संस्था नियोजन, चेतावनी प्रणाली, और भूमि उपयोग योजना तैयार करने जैसे उपाय शामिल हैं।

कार्यशाला का पूरा ध्यान वर्तमान अद्यतनों के साथ आपदा की तैयारी और प्रबंधन के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों पर था। यह कार्यक्रम आपदा की तैयारी और प्रबंधन सेवाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानने का एक उत्कृष्ट अवसर बन गया है।

" सुरक्षा एक दौड़ है हम सभी जीत सकते हैं "

प्रो संदीप तिवारी,
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (अध्यक्ष,आयोजन समिति सदस्य)
ट्रामा सर्जरी विभाग, केजीएमयू, यूपी